कक्षा नवम / दसवीं

दोनो कक्षाओं के प्रत्येक छात्र को अपना हर विषय का कार्य रजिस्टर में स्वच्छता का ध्यान रखते हुए पूरा करना है।

रजिस्टर के कवर विषयानुसार

English - White

Hindi - Blue

Maths - Red

Science - Yellow

S.St - Green

Scanned with CamScanner

संजीवनी पब्लिक स्कूल, कक्षा नवम, विषय हिन्दी

व्यवहारिक व्याकरण, पाठ 1 शब्द रचना

उपसर्ग : 2 अंक
प्रत्यय : 2 अंक = कुल अंक : 7
समास : 3 अंक

उपसर्ग :- वे शब्दांश जो किसी शब्द के प्रारम्भ में लगकर नए शब्दों का निर्माण करते हैं।

जैसे :- प्र - उपसर्ग : मूल शब्द - बल, माण
= प्रबल, प्रमाण

हम - उपसर्ग : मूलशब्द - वतन, सफ़र
= हमवतन, हमसफ़र

अभ्यास कार्य :-

| उपसर्ग | मूल शब्द | नया शब्द |
|---|---|---|
| सम् | कालीन, भाव | समकालीन, समभाव |
| वि | कार, नाश | विकार, विनाश |
| अलम् | कृत, कार | अलंकृत, अलंकार |
| प्रति | दिन, पल | प्रतिदिन, प्रतिपल |
| कु | पात्र, विचार | कुपात्र, कुविचार |
| अध | मरा, पका | अधमरा, अधपका |
| बे | अक्ल, ईमान | बेअक्ल, बेईमान |
| चीफ़ | मिनिस्टर, कमिश्नर | चीफ़मिनिस्टर, चीफ़कमिश्नर |

निम्न उपसर्गों का प्रयोग करके दो-दो शब्द स्वयं बनाइए :-
हम, ना, अन, हाफ़, फिर, अति, परा

प्रत्यय :- वे शब्दांश हैं जो शब्द के अन्त में जुड़ कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं।



P.T.O

Scanned with CamScanner

जैसे:- पंक मूल शब्द प्रत्यय ज
1. नया शब्द = पंकज
2. ई प्रत्यय के प्रयोग : हँस + ई = हँसी

अभ्यास :-

| मूल शब्द | प्रत्यय | निर्मित शब्द |
|---|---|---|
| सोना | आर | सुनार |
| कड़वा | आहट | कड़वाहट |
| भूत | इक | भौतिक |
| गति | मान | गतिमान |
| पेट | ऊ | पेटू |
| रस | ईला | रसीला |

निम्न प्रत्ययों का प्रयोग करके दो-दो शब्द बनाओ :-
तम, त्व, आवट, आई, आस, ई, वाद

## समास

समास :- दो से अधिक शब्दों के मेल से बना नया शब्द समास कहते हैं। जैसे :- कमल के समान नयन = कमलनयन

समास समझने के लिए निम्न शब्दों की समझ अनिवार्य है। जैसे :-

समस्त पद :- राजपुत्र
पूर्व पद :- राज
उत्तर पद :- पुत्र
समासविग्रह / समस्तपद विग्रह :- राजा का पुत्र

समास परिभाषा के आधार पर चार होते हैं।
परन्तु कुल छः समास होते हैं।

समास
- जिसमे पूर्व पद प्रधान होता है।
  1. अव्ययीभाव समास
- जिसमें उत्तर पद प्रधान होता है।
  - तत्पुरूष समास
  - कर्मधारय समास
  - द्विगु समास
- जिसमे दोनो पद प्रधान होते है
  - द्वन्द्व समास
- जिसमे दोनो पद गौण होते है।
  - बहुव्रीहि समास



Scanned with CamScanner

1. अव्ययीभाव समास :- जिसमें पहला पद अव्यय या कोई उपसर्ग होता है। और वही पद प्रधान भी होता है। जैसे :- प्रतिदिन अर्थात हर दिन।

2. तत्पुरुष समास :- जिसमें उत्तर पद प्रधान होता है। वहाँ तत्पुरुष समास होता है। जैसे: राजपुत्र अर्थात राजा का पुत्र तत्पुरुष समास की पहचान यह भी है कि विग्रह करने पर कारक चिह्न का प्रयोग पाया जाता है।

3. कर्मधारय समास :- इसमें भी उत्तरपद प्रधान होता है। साथ पूर्व पद और उत्तर पद दोनों में विशेषण -विशेष्य का संबंध पाया जाता है। जैसे कालीमिर्च : काली है जो मिर्च।

4. द्विगु समास :- इसमें पूर्वपद संख्यावाची होता है और विशेषण के रूप में कार्य करता है। जैसे :- नवरात्र - नौ रात्रियों का समूह।

5. द्वंद्व समास :- इसमें दोनों पद प्रधान होते हैं। दोनो पद आपस में एक-दूसरे के पूरक या द्वंद्वी भी होते हैं, जैसे :- माता-पिता = माता और पिता

6. बहुव्रीहि समास :- इसमें दोनों पद गौण हो जाते हैं। और अन्य पद विशेष बन जाता है। जैसें - लंबोदर - लंबा है उदर जिसका

प्रश्न :- निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखें।

1. ग्रामपंचायत, हाथोहाथ, ऊँच-नीच।
2. घर-घर, जेबकड़ी, लाभ हीन।
3. पथारूीच, जनसेवक, गजानन।
4. सत्याग्रह, रातोंरात, अपना-पराया
5. दशानन, प्रेमातुर, घी-शक्कर



Scanned with CamScanner

संजीवनी पब्लिक स्कूल, कक्षा नवम, विषय हिन्दी
व्यवहारिक हिन्दी, पाठ 2 अर्थ के आधार पर वाक्य

कुल अंक -4

वाक्य :- शब्दों का सार्थक और व्यवस्थित पद-समूह वाक्य कहलाता है। जैसे :- राम खाना खाता है।

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं। अर्थात वाक्यों के आठ प्रकार के अर्थ प्रकट होते हैं।

1. विधान वाचक वाक्य
2. निषेधवाचक वाक्य
3. आज्ञावाचक वाक्य
4. प्रश्नवाचक वाक्य
5. इच्छावाचक वाक्य
6. संदेहवाचक वाक्य
7. संकेत वाचक वाक्य
8. विस्मयादिवाचक वाक्य

जैसे :- विधान वाचक :- राम खाना खाता है।
निषेध वाचक :- राम खाना नहीं खाता है।
आज्ञा वाचक :- राम खाना खाओ।
प्रश्न वाचक :- क्या राम खाना खाता है?
इच्छा वाचक :- मेरी इच्छा है, राम खाना खाए।
संदेह वाचक :- राम खाना खाता होगा।
संकेत वाचक :- राम समय पर खाना खाता तो स्वस्थ रहता।
विस्मयादि वाचक :- अच्छा! राम खाना खाता है।

उपरोक्त वाक्य के अनुसार ही निम्न वाक्यों का आठों अर्थों में रूपांतरण कीजिए :-

1. बच्चा स्कूल जाता है।
2. प्रतीक्षा घर पर है।
3. सुरेश ने पत्र लिखा।



Scanned with CamScanner

प्रश्न: निर्देशानुसार अर्थ के आधार पर वाक्यों का रूपांतरण कीजिए :-

1. मेरी चिट्ठी आई है। (प्रश्न वाचक में बदलो)
2. राम घर पर है। (संदेह वाचक में बदलो)
3. हर्ष गीत गा रहा है। (विस्मयादि वाचक में बदलो)
4. आज वर्षा होगी। (संदेह वाचक में बदलो)
5. परिश्रम करने से ही सफलता मिलती है। (संकेत वाचक में)

उत्तर :-

1. क्या मेरी चिट्ठी आई है?
2. शायद राम घर पर है।
3. अरे! हर्ष गीत गा रहा है।
4. शायद आज वर्षा होगी।
5. जो परिश्रम करता है उसे सफलता अवश्य मिलती है।

प्रश्न: अर्थ के आधार पर वाक्य पहचान कर भेद का नाम लिखो।

1. यह संसार सुन्दर है।
2. अरे! श्यामा खाना बनाती है।
3. मैं प्रातः उठूँगा तो पढ़ूँगा।
4. क्या? दर्जी ने कपड़े सिलादिये।
5. बच्चे कक्षा में शांतिपूर्वक बैठे हैं।

उत्तर :

1. विधान वाचक वाक्य
2. विस्मयादि वाचक वाक्य
3. संकेत वाचक वाक्य
4. प्रश्न वाचक वाक्य
5. विधान वाचक वाक्य

प्रश्न निर्देशानुसार कीजिए :-

1. हम आगरा कब जा रहे हैं? (वाक्य भेद बताओ)
2. प्रभु, तुम्हें दीर्घायु करे। (वाक्य भेद बताओ)
3. रमेश और महेश साथ-साथ रहते हैं। (प्रश्न वाचक में बदलो)
4. यह काम कर दीजिए। (निषेध वाचक में)



Scanned with CamScanner